चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.2.26	3	1-5

युवाओं के लिए मत्स्य क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं

- मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक
- प्रो. काम्बोज ने कहा, मत्स्य क्षेत्र से नवाचार और उद्यमिता को मिलेगी नई दिशा

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। • विज्ञप्ति

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि कृषि विस्तार (मैनेज) के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। मंच पर विभागाध्यक्ष डा. दलीप कुमार बिश्नोई भी मौजूद रहे। प्रो. काम्बोज ने सम्बोधन में कहा कि मत्स्य क्षेत्र से नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। देश में मत्स्य क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। यह न केवल पोषण सुरक्षा का आधार है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण साधन भी है। ऐसे समय में एक्वा उद्यम 2026 कार्यक्रम अत्यंत प्रासंगिक है। कुलपति ने बताया कि मत्स्य क्षेत्र में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। विशिष्ट अतिथि डा. सरवनन राज ने बताया कि यह मंच नए उद्यमियों और नीति निर्माताओं के बीच सेतु का कार्य करेगा। मत्स्य पालन के व्यवसाय में रोजगार एवं उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान कृषि कार्य के साथ-साथ मत्स्य पालन को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा मत्स्य पालन के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर डा. रचना गुलाटी, डा. अनुपम उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	17-2-26	4	1-5

मछली पालन में छिपी समृद्धि की लहर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

मैनेज के निदेशक बोले - खराब जमीन से भी 1-3 लाख रुपये प्रति एकड़ कमा सकते हैं किसान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा में मत्स्य पालन के क्षेत्र में 90 प्रतिशत संभावनाएं हैं जबकि वर्तमान में केवल 10 प्रतिशत ही काम हो रहा है। सेमग्रस्त, लवणीय, सूखी और खारे पानी वाली जमीन पर पारंपरिक फसलें उगाने के बजाय मत्स्य पालन कर किसान प्रति एकड़ सालाना 1 से 3 लाख रुपये तक का मुनाफा कमा सकते हैं। केंद्र सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू की है। यह कहना है राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक डॉ. सरवनन राज का।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में 'एक्वा उद्यम-2026' के शुभारंभ के बाद अमर उजाला से विशेष बातचीत में उन्होंने बताया कि हरियाणा के मीठे और खारे पानी में झींगा पालन रिकॉर्ड स्थापित कर सकता है। दिल्ली-एनसीआर की नजदीकी के कारण यहां उत्पादित मछली और झींगा के लिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार भी उपलब्ध है।

डॉ. सरवनन ने बताया कि एग्री स्टार्टअप की तर्ज पर एक्वा स्टार्टअप को भी फंडिंग दी जा रही है।

अब तक 562 युवाओं ने अपने आइडिया प्रस्तुत किए जिनमें से 235 को फंडिंग के लिए चुना गया। इन उद्यमियों को विकसित करने के लिए 22.80 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है।

एचएयू में आयोजित एक्वा उद्यम-2026 में मंच पर उपस्थित अतिथि व कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज। स्रोत : आयोजक

10% पर सिमटा मत्स्य पालन

90% संभावनाओं को साकार करेंगे

606 युवाओं को 51 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग मिला

5 से 25 लाख तक की मिलेगी ग्रांट

एक्यूबेशन सेंटर सपोर्ट और एग्री स्टार्टअप मॉनिटरिंग के तहत 1416 स्टार्टअप शुरू किए गए जिनमें 606 युवाओं को 51 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग दिया गया। अब तक 1,12,906 लोग पंजीकरण कर चुके हैं। एग्रीप्रन्योर कार्यक्रम के तहत युवाओं और छात्रों को 64 घंटे की कक्षा प्रशिक्षण के बाद 4 से 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। एग्री स्टार्टअप में 25 लाख रुपये तक की मदद और 10 वर्ष तक एक्यूबेशन सेंटर का सहयोग प्रदान किया जाता है।

नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का शुभारंभ मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि यह आयोजन मत्स्य क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा देगा। कार्यक्रम में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, डॉ. रचना गुलाटी और डॉ. अनुपम ने भी विचार रखे और मत्स्य क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	17.2.26	3	4-5

एचएयू में एक्वा उद्यम कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

एचएयू में एक्वा उद्यम-2026 का आगाज

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक हुई।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए कहा कि मत्स्य क्षेत्र अब केवल पोषण सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने और युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि कृषि अब पारंपरिक ढर्रे से निकलकर बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन जैसे बहु-आयामी क्षेत्रों की ओर बढ़ रही है। हरियाणा में जल संसाधनों के सही प्रबंधन से वैज्ञानिक पद्धति द्वारा मत्स्य पालन को अपनाना समय की मांग है। आधुनिक तकनीक अपनाकर स्थानीय स्तर पर आजीविका पैदा करना इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य है।

विशिष्ट अतिथि और मैनेज के निदेशक डॉ. सरवनन राज ने बताया कि यह आयोजन नए उद्यमियों के लिए एक ब्रिज की तरह काम करेगा। पहले दिन एक्वाप्रेन्योरशिप स्टेकहोल्डर्स की बैठक का आयोजन हुआ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	17.2.26	11	6-8

हकृवि में चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का हुआ शुभारंभ

संपूर्ण देश में तेजी से विकसित हो रहा मत्स्य क्षेत्र : प्रो. काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वापेरन्योरशिप हितधारकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि कृषि विस्तार (मैनेज) के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। मंच पर विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई भी मौजूद रहे।

- सोमवार को मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वापेरन्योरशिप हितधारकों की बैठक आयोजित की गई

कुलपति प्रो. बीआर म्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य क्षेत्र से नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। देश में मत्स्य क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। यह न केवल पोषण सुरक्षा का आधार है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण साधन भी है। ऐसे समय में एक्वा उद्यम 2026 कार्यक्रम अत्यंत प्रासंगिक है। एक्वा उद्यम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जलीय संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर आजीविका उत्पन्न करना, युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के अवसर पैदा करना और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना है। यह क्षेत्र ग्रामीण आजीविका, आत्मनिर्भरता और मत्स्य आधारित उत्पाद बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हिसार। अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज। फोटो : हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	16.02.2026	--	--

युवाओं के लिए मत्स्य क्षेत्र में स्वरोजगार की संभावनाएं : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का हुआ शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित चार दिवसीय एक्वा उद्यम-2026 का शुभारंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सोमवार को मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि जबकि कृषि विस्तार (मैनेज) के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। मंच पर विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई भी मौजूद रहे।

प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि मत्स्य क्षेत्र से नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी। देश में मत्स्य क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। यह न केवल पोषण सुरक्षा का आधार है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और युवाओं के लिए रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण साधन भी है। ऐसे समय में एक्वा उद्यम 2026 कार्यक्रम अत्यंत प्रासंगिक है। एक्वा उद्यम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि जलीय संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर आजीविका उत्पन्न करना, युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के अवसर पैदा करना और मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना है। यह क्षेत्र ग्रामीण आजीविका, आत्मनिर्भरता और मत्स्य आधारित उत्पाद बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कुलपति ने बताया कि आज कृषि केवल पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, इसलिए हमें कृषि को बहु-आयामी दृष्टिकोण से देखना होगा जिसमें बागवानी, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन तथा मत्स्य पालन जैसे क्षेत्र महत्वपूर्ण है। मत्स्य क्षेत्र में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा में जहां जल संसाधनों का सुनियोजित उपयोग संभव है वहां वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सरवनन राज ने बताया कि यह मंच नए उद्यमियों और नीति निर्माताओं के बीच सेतु का कार्य करेगा। किसान कृषि कार्य के साथ-साथ मत्स्य पालन को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत पहले दिन एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक, दूसरे व तीसरे दिन एक्वा युवाओं की बैठक तथा चौथे दिन एक्वा उद्यमियों की बैठक आयोजित की जाएगी।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने विश्वविद्यालय द्वारा मत्स्य पालन के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में डॉ रचना गुलाटी ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. अनुपम ने किया। इस अवसर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	17.02.2026	--	--

युवाओं के लिए मत्स्य क्षेत्र में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हकृवि में चार दिवसीय 'एक्वा उद्यम-2026' का शुभारंभ

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 17 फरवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) के संयुक्त तत्वावधान में चार दिवसीय 'एक्वा उद्यम-2026' कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित मत्स्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत मत्स्य स्टार्टअप एवं एक्वाप्रेन्योरशिप हितधारकों की बैठक आयोजित की गई।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि तथा मैनेज के निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सरवनन राज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंच पर विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई भी मौजूद थे।

मुख्य अतिथि प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि मत्स्य क्षेत्र नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा देने में सक्षम है। देश में यह क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और पोषण सुरक्षा के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि 'एक्वा उद्यम-2026' जैसे कार्यक्रम युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे।

उन्होंने बताया कि जलीय संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से स्थानीय स्तर पर आजीविका सृजन, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा और मत्स्य आधारित उत्पादों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। कृषि को अब बहुआयामी दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है, जिसमें बागवानी, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन तथा मत्स्य पालन जैसे क्षेत्र अहम भूमिका निभाते हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ. सरवनन राज ने कहा कि यह मंच नए उद्यमियों और नीति-निर्माताओं के बीच सेतु का कार्य करेगा। मत्स्य पालन को कृषि के साथ जोड़कर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम के पहले दिन हितधारकों की बैठक, दूसरे व तीसरे दिन एक्वा युवाओं की बैठक तथा चौथे दिन एक्वा उद्यमियों की बैठक आयोजित की जाएगी।

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। अंत में डॉ. रचना गुलाटी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. अनुपम ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	17.2.26	3	1-3

मोटे अनाज में होते हैं औषधीय गुण : गोदारा

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग व सायना नेहवाल प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से मोटा अनाज प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 200 बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डा. वीनू सांगवान तथा सायना नेहवाल प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मोटे अनाज को श्री अन्न के नाम से भी जाना जाता है, जो पोषण और

अधिकारियों के साथ प्रतिभागी • विज्ञप्ति

औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इनमें प्रचुर मात्रा में विटामिन, खनिज तत्व, प्रोटीन, फाइबर, एंटी आक्सीडेंट्स पाए जाते हैं।

यह तत्व शरीर को संतुलित पोषण प्रदान करते हैं। वजन नियंत्रण में सहायक होते हैं, हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और रक्त में ग्लूकोज स्तर को नियंत्रित करने में मददगार होते हैं। इसी कारण यह मधुमेह रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को श्री अन्न विशेषकर बाजार के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	17.2.26	9	4-5

अधिकारियों के साथ प्रतिभागी।

हकृवि में श्री अन्न के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 16 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग व सायना नेहवाल प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से श्री अन्न (मोटा अनाज) प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर आठ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 200 बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. वीनू सांगवान तथा सायना नेहवाल प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मोटे अनाज को श्री अन्न के नाम से भी जाना जाता है, जो पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इनमें प्रचुर मात्रा में विटामिन, खनिज तत्व, प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंटस इत्यादि पाए जाते हैं। यह तत्व शरीर को संतुलित पोषण प्रदान करते हैं। वजन नियंत्रण में सहायक होते हैं, हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं तथा रक्त में ग्लूकोज स्तर को नियंत्रित करने में हिसार द्वारा मददगार होते हैं। इसी कारण यह मधुमेह रोगियों के लिए विशेष रूप से लाभकारी हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को श्री अन्न विशेषकर बाजार के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने का भी अभ्यास करवाया गया जिनमें बिस्किट, केक एवं कप केक, लड्डू, पिज़्ज़ा, बर्गर एवं अन्य बेक्ड उत्पाद शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. ज्योति सिहाग, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. भुपेन्द्र सिंह, डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. डीके शर्मा तथा डॉ. विकाश हुड्डा ने भी प्रशिक्षणार्थियों को मोटे अनाज के बारे में विस्तार से जानकारी दी।